वैलाबी का जादूगर

जैक केंट

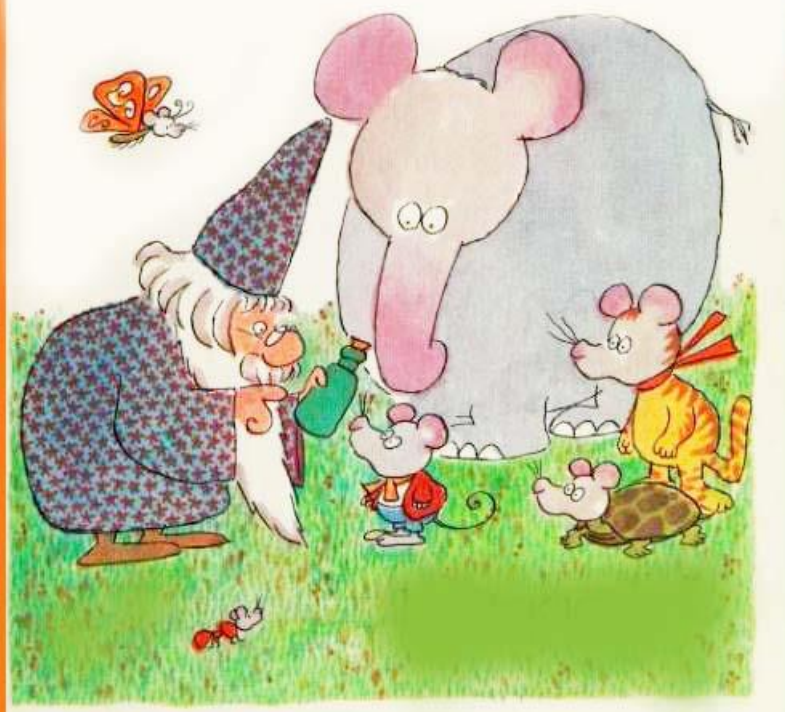

वैलाबी का जादूगर

जैक केंट

वैलाबी का जादूगर बहुत व्यस्त था.
वो अपने जादू के मंत्रों की बोतलों को
क्रम में रखने की कोशिश कर रहा था.

उसके पास ऐसे मंत्र थे जो लोगों को आर्डवार्क जैसे अजीबोगरीब जीव से लेकर ज़ेबू जानवर तक, हर चीज़ में बदल सकते थे. प्रत्येक मंत्र एक छोटी बोतल में रखा था. हर बोतल पर लेबल लगा था जो बताता था कि वो किस प्रकार का मंत्र था.

लेकिन सब बोतलें इतनी बेतरतीब तरीके से रखी थीं कि जादूगर को सही मंत्र को ढूंढने में घंटों लगते थे. इसलिए, उसने सभी अलमारियों को साफ करने का मन बनाया. फिर उसने बहुत सावधानी से मंत्रों को एक-एक करके अक्षरों के क्रम के अनुसार वापस रखा.

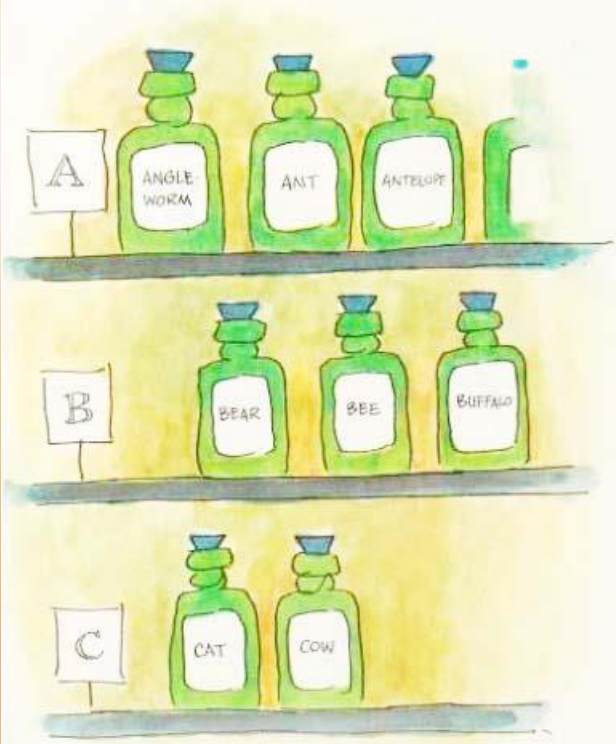

जो मंत्र लोगों को एंगलवर्म (कीट), ऐनट्स (चींटियों) और ऐन्टलर्स (मृगों) में बदल सकते थे उन्हें "ए" वाले शेल्फ पर रखा. बेयर (भालू), बीज़ (मधुमक्खियां) और बफैलो (भैंस) में बदलने वाले मंत्रों को "बी" शेल्फ पर रखा. और इस तरह वो मंत्रों को वर्णमाला के क्रम में रखता गया.

"मुझे पता नहीं कि यह किस चीज़ का मंत्र है," जादूगर ने उस बोतल का अध्ययन करते हुए कहा, जो उसने अभी-अभी उठाई थी. "उस बोतल का लेबल निकल गया था."

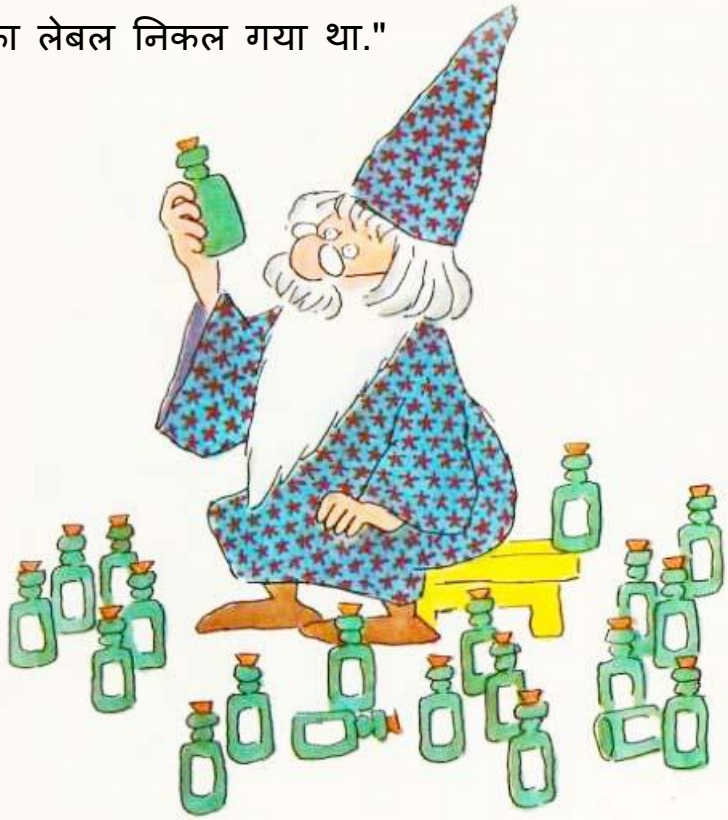

तभी दरवाजे पर दस्तक हुई.
"अरे! कौन हो सकता है!" जादूगर ने कहा.

"काम करने के लिए लोग मुझे कभी अकेला नहीं छोड़ते हैं."

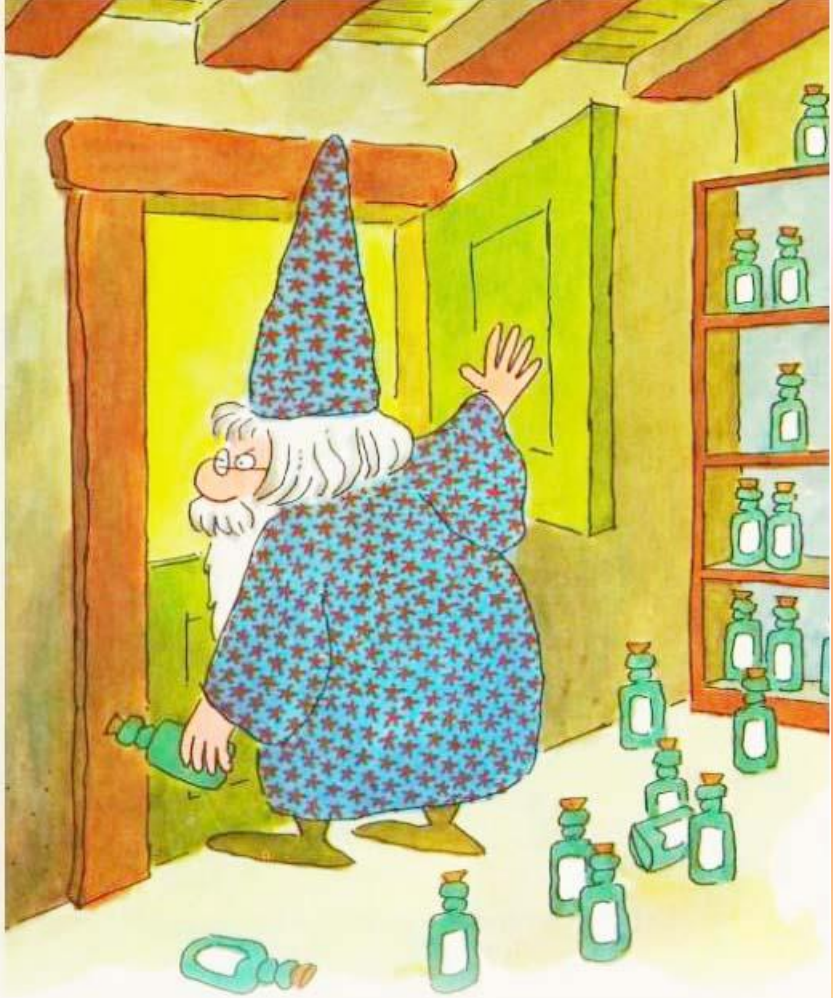

उसने दरवाज़ा खोला और कहा, "चले जाओ. अभी मैं बहुत व्यस्त हूँ. जाओ!"

आने वाला मेहमान एक चूहा था. लोग उस पर हमेशा ही चिल्लाते थे, इसलिए चूहे ने जादूगर की बात का खास बुरा नहीं माना.

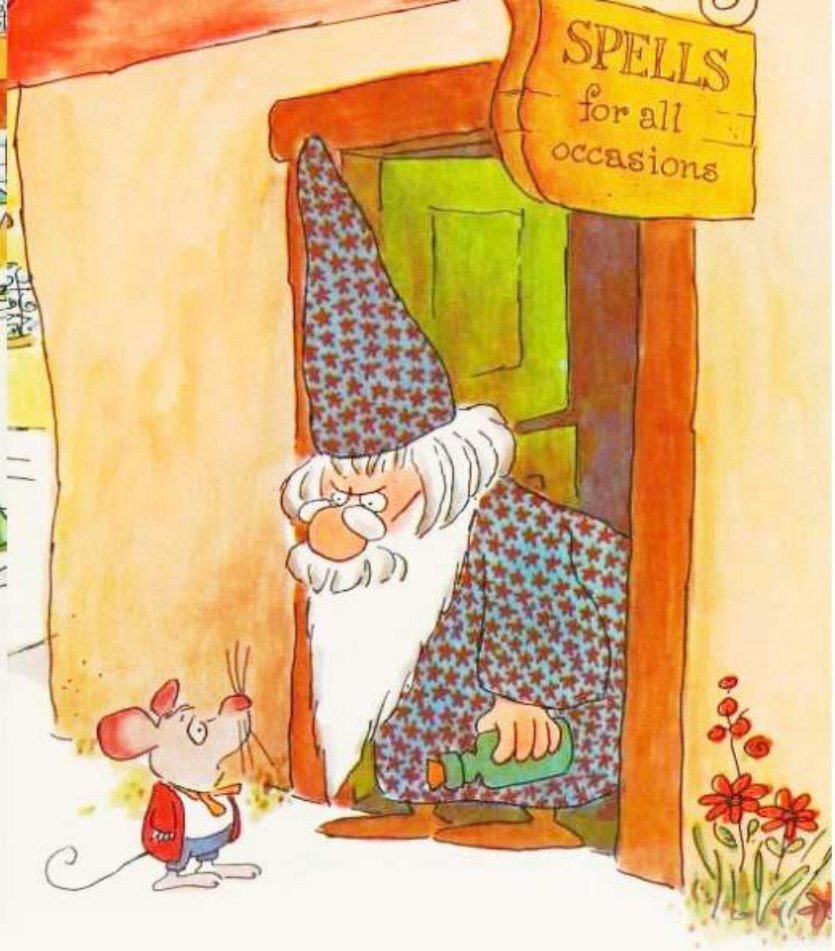

"मैं एक जादुई मंत्र खरीदना चाहता हूँ," चूहे ने कहा.

"मैं एक चूहा बने-बने अब थक चुका हूँ. चूहों को कोई भी पसंद नहीं करता है. लोग हमें चूहेदानियां में पकड़ते हैं, हमें बिल्लियों से पकड़वाते हैं, हम पर चिल्लाते हैं और झाड़ू से हमें मारते हैं. एक चूहे का जीवन बहुत दुखदायी है. इसलिए मैं कुछ और बनना चाहता हूं."

"तुम क्या बनना चाहते हो?" जादूगर ने पूछा.

"उसका मैंने अभी अपना मन नहीं बनाया है," चूहे ने कहा. "मैंने सोचा कि मैं आकर देखूंगा कि आपके पास किस प्रकार के मंत्र हैं और फिर उनमें से एक चुनूंगा."

"यहाँ पर अभी काफी गड़बड़ चल रही है," जादूगर ने कहा. "तुम कल आना और...

"अच्छा, ज़रा ठहरो!" फिर जादूगर ने हाथ में पकड़ी बिना लेबल वाली बोतल को देखते हुए कहा.

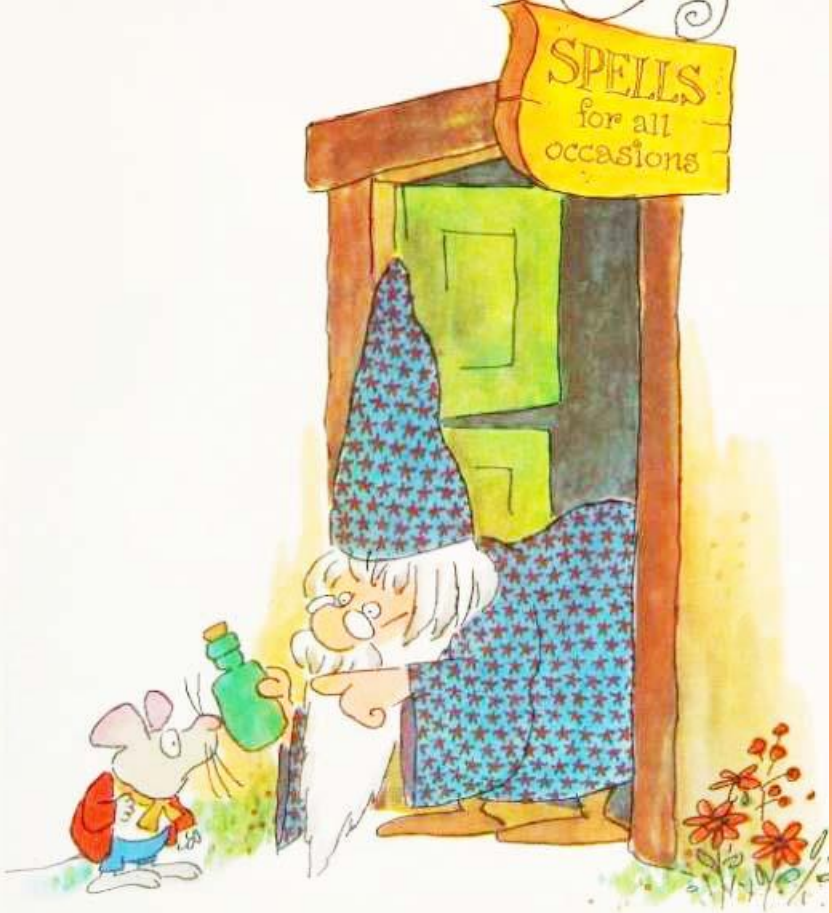

"देखो, तुम यह जादुई मंत्र मुफ्त में ले जाओ. इसकी कोई कीमत भी नहीं है." और फिर उसने वो बोतल चूहे को थमा दी.

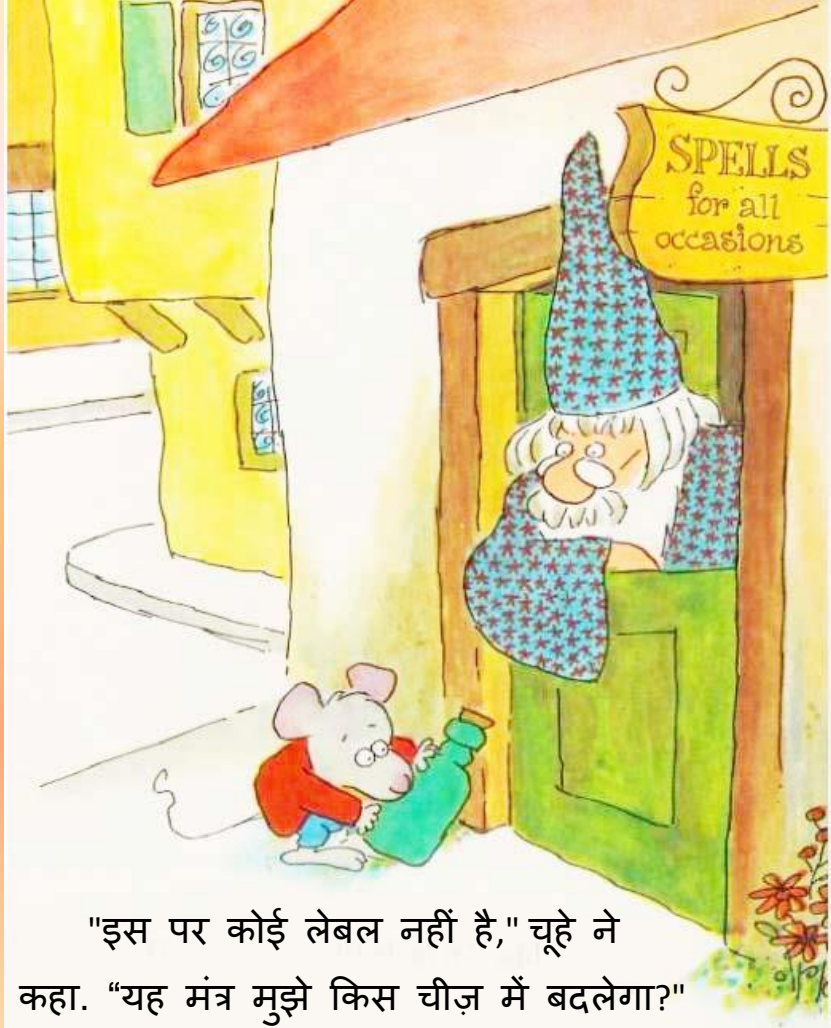

"इस पर कोई लेबल नहीं है," चूहे ने कहा. “यह मंत्र मुझे किस चीज़ में बदलेगा?"

"वो तुम्हें कुछ अलग ज़रूर बनाएगा," जादूगर ने कहा.

"तुमने कहा था न कि तुम कुछ और बनना चाहते हो!"

और फिर जादूगर ने दरवाजा बंद किया और अपने मंत्रों को छाँटने वापस चला गया.

चूहा घर गया और उसने बोतल को खाने की मेज पर रखा. वो कॉर्क को बाहर खींचने के लिए कोई कील ढूंढ रहा था, तभी वो सोचने लगा कि वो मंत्र उसे किस चीज़ में बदलेगा.

शायद एक तितली में?

तितलियाँ सुंदर तो होती हैं, लेकिन वे अधिक समय तक जीवित नहीं रहती हैं. वो तितली नहीं बनना चाहता था.

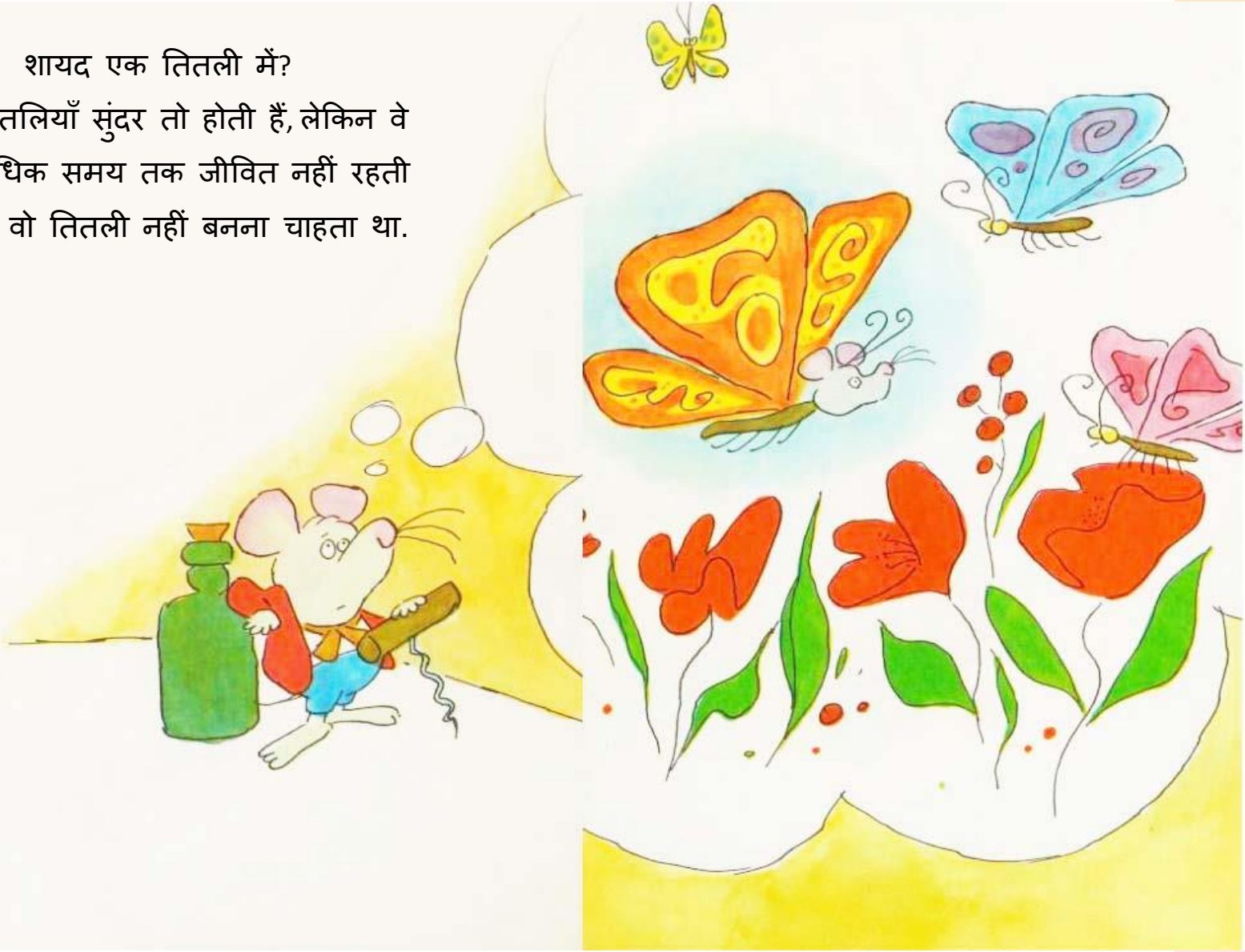

कछुए बहुत लंबे समय तक जीवित रहते हैं, लेकिन वे बहुत सुंदर नहीं होते हैं. और वे बहुत धीमे होते हैं.

चूहा, कछुआ भी नहीं बनना चाहता था.

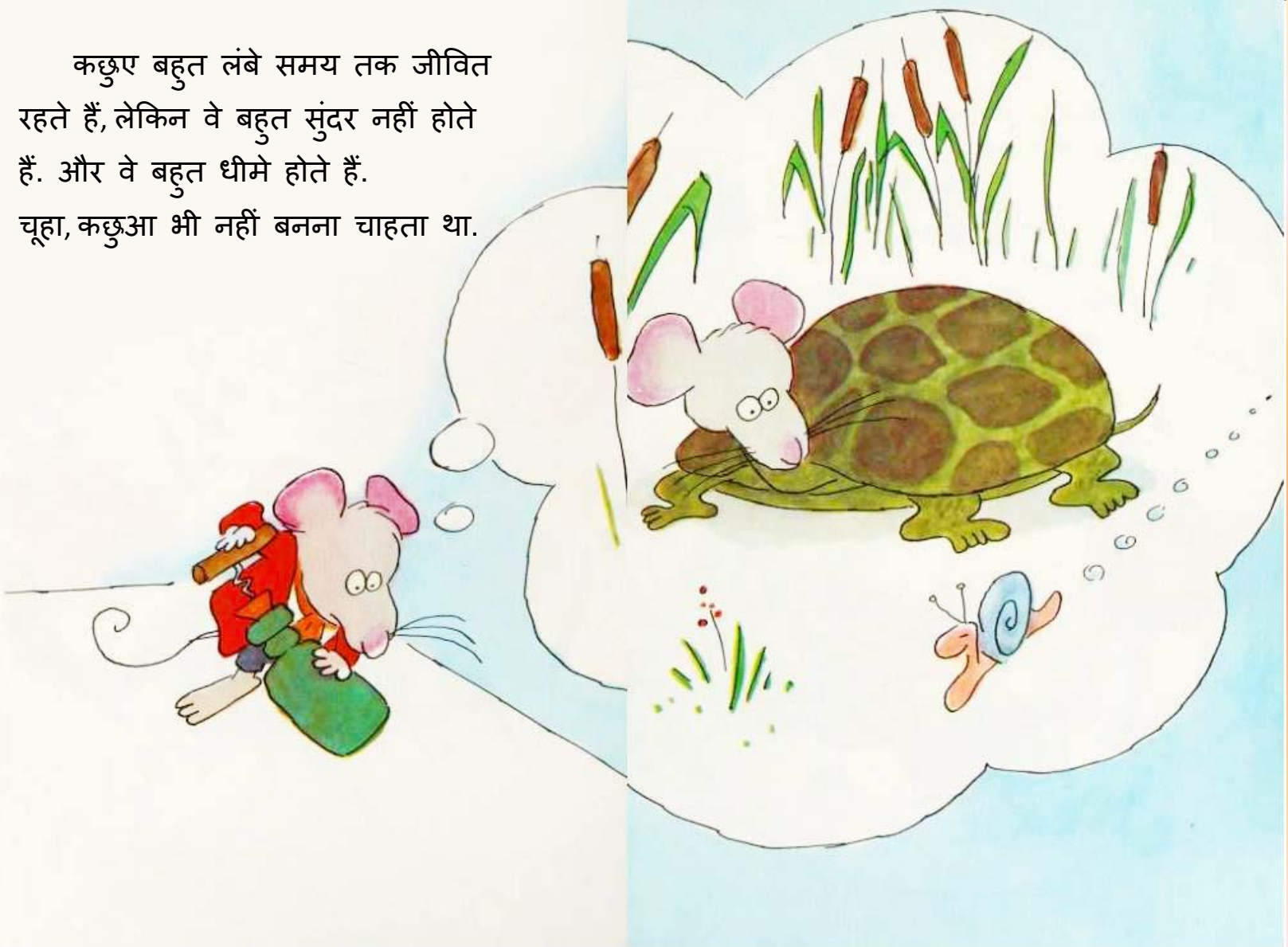

मधुमक्खियां तेज उड़ती हैं. लेकिन उन्हें बहुत मेहनत करनी पड़ती है. ज़्यादा मेहनत करना चूहे को बिल्कुल पसंद नहीं था.

चींटियां काफी पिकनिक मनाती हैं.

लेकिन चींटियां बड़ी
आसानी से कुचली भी जाती हैं.

पक्षी खुशी के गीत गाते हैं. लेकिन पक्षी कीड़े भी खाते हैं. कीड़े खाने के विचार ने ही चूहे को थोड़ा बीमार कर दिया.

"अगर मैं एक बिल्ली में बदल गया तो क्या होगा?" चूहे ने सोचा. "बिल्लियाँ चूहे खाती हैं!" यह सोचकर वो एकदम पीला पड़ गया.

"अगर उस मंत्र में लोगों को चूहों में बदलने का जादू होगा, तो फिर क्या होगा? फिर वो मंत्र मुझपर अपना कोई असर ही नहीं दिखाएगा ...

"जैसे पीले रंग के कपड़े पर हल्दी का धब्बा!"

"लेकिन बड़ा हाथी मेरे छोटे से घर में फिट कैसे होगा?"

चूहे का एक अच्छा सा घर था. चूहा को अपने घर से बहुत प्यार था. वो उम्मीद कर रहा था कि वो मंत्र उसे हाथी नहीं बनाएगा.

"लेकिन अगर मैं एक हाथी में बदल गया, तो वो बहुत बढ़िया होगा," चूहे ने सोचा.

वास्तव में, वो ऐसा कुछ भी नहीं सोच पा रहा था जिसके बदलने के बाद उसे मज़ा आता.

"लेकिन मेरे चूहे बने रहने में कई समस्याएं भी हैं," उसने सोचा, "लेकिन कम-से-कम मुझे उन समस्याओं के बारे में पता तो है. अगर मैं किसी अन्य जीव को बदल जाता हूं तो समस्याएं और बड़ी हो सकती हैं."

इसलिए, वो उस जादू के मंत्र को वापस करने के लिए जादूगर के पास लौटा.

जादूगर बड़बड़ाता हुआ दरवाजे पर आया. वो अभी भी मंत्रों की बोतलों की छंटाई कर रहा था.

पहले तो जादूगर ने चूहे को पहचाना ही नहीं.

"तुम काफी बदल गए हो," जादूगर ने कहा.

"मुझे भी ऐसा ही लगता है," चूहे ने कहा.

"पहले मैं एक बहुत दुखी चूहा था.
और अब मैं... बिल्कुल ठीक हूँ... कुछ और."

"क्या उस मंत्र के जादू ने तुम्हें बदला?" जादूगर ने पूछा.

"हाँ, बिल्कुल बदला," चूहे ने कहा.

यह सुनकर जादूगर इतना उत्साहित हुआ कि वो बड़ी मुश्किल से ही बोल पाया.

"यह पहली बार है जब मेरे किसी मंत्र ने काम किया है!" उसने खुशी से कहा.

"ऐसा लगता है कि उस मंत्र ने दो बार काम किया है," चूहे ने जोड़ा. "उस मंत्र ने हम दोनों को खुश किया है. वो एक अद्भुत जादुई मंत्र है!"

फिर जादूगर अपनी दुकान में दौड़कर वापिस गया और उसने सभी बोतलों के लेबल हटा दिए और उनकी कीमतें भी बढ़ा दीं.

फिर उसने उन्हें बेतरतीब तरीके से – यानि बिना किसी क्रम के, बोतलों को अलमारियों में वापस रख दिया.

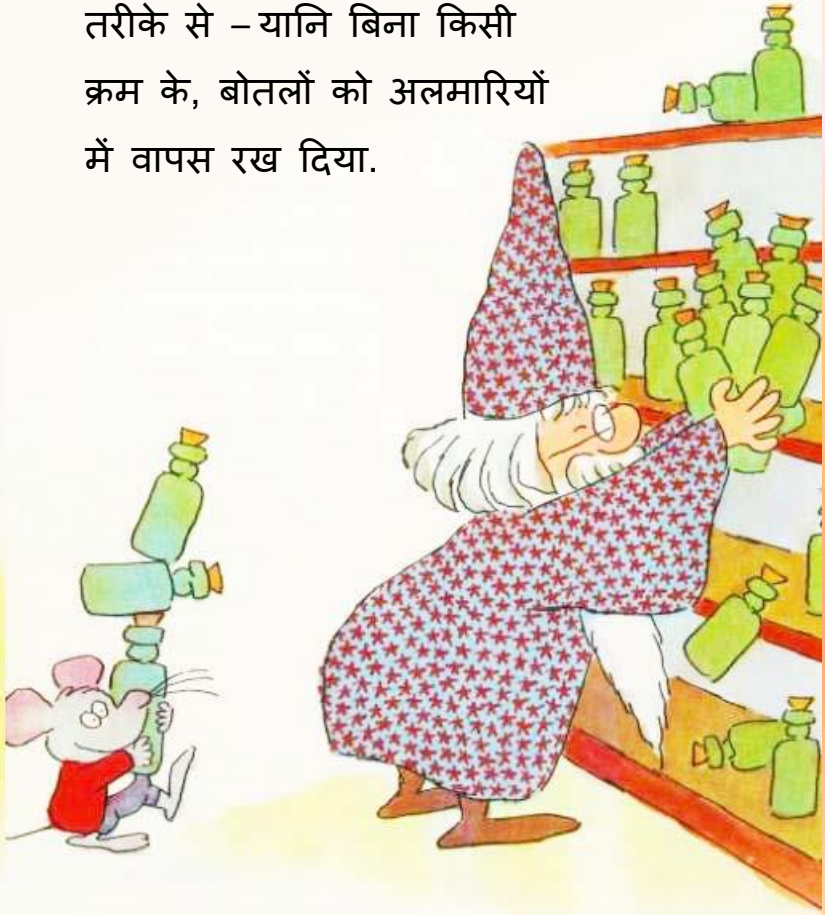

अब मंत्रों को छांटना कोई समस्या नहीं थी.

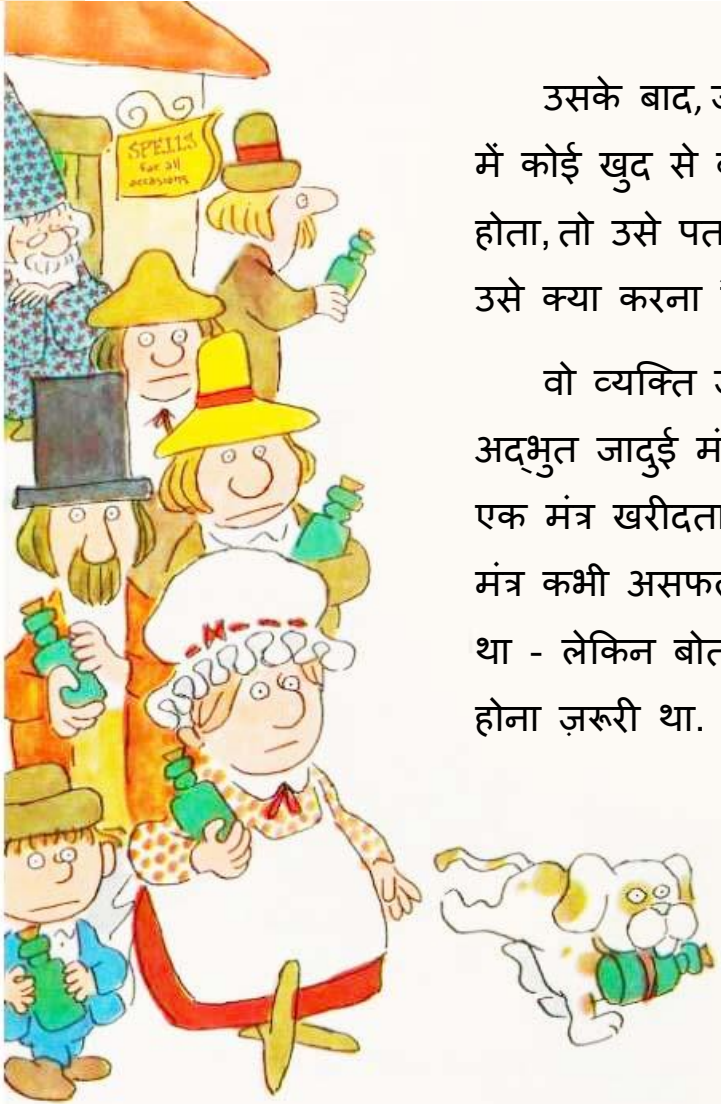

उसके बाद, जब भी वालेबी में कोई खुद से बहुत नाखुश होता, तो उसे पता होता था कि उसे क्या करना है.

वो व्यक्ति जादूगर के अद्भुत जादुई मंत्रों में से कोई एक मंत्र खरीदता था. और वो मंत्र कभी असफल नहीं होता था - लेकिन बोतल का सीलबंद होना ज़रूरी था.

समाप्त